सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन

कौशल विकास में सीरी जैसे शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण : हरिभाऊ बागडे

सीएसआईआर – केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में 19 फरवरी, 2025 को इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) स्किल कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सुशोभित किया। डॉ मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती - राजस्थान, कॉन्क्लेव के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, पिलानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्थान के सभागार में आयोजित मुख्य समारोह में संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ चंद्रशेखर के अलावा स्थानीय जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण (जिला कलेक्टर श्री रामअवतार मीणा, पुलिस अधीक्षक श्री शरद चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी श्री हिमांशु शर्मा आदि), वरिष्ठ चिकित्सक एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष डॉ आर पी पारीक एवं मीडियाकर्मियों सहित शिक्षाविद्, संस्थान के वैज्ञानिक एवं अन्य सहकर्मी आदि उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए
श्री हरिभाऊ बागडे, माननीय राज्यपाल, राजस्थान

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत रूप से राज्यपाल महोदय द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर सीरी विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।

ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव में सभा को संबोधित करते हुए राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी

अपने मुख्य अतिथीय संबोधन में **माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे** ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए उसके लाभों की चर्चा की। कौशल विकास कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस आवश्यकता उनके कौशल को निखारने की है जिसमें हमारे विश्वविद्यालय और सीरी जैसे शोध संस्थान अपनी भूमिका निभा सकते हैं। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय वेदों और भारतीय साहित्य के महत्व को भी रेखांकित किया। वैदिक साहित्य और सनातन संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे वेद और भारतीय साहित्य हमारे प्राचीन विज्ञान के उन्नत होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। राज्यपाल महोदय ने संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य सहकर्मियों

से वेदों एवं भारतीय साहित्य के अध्ययन का भी आह्वान किया।

ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 में अध्यक्षीय एवं स्वागत संबोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

सभागार में उपस्थित अतिथि, अधिकारीगण एवं सहकर्मीवृंद

इससे पूर्व **डॉ पी सी पंचारिया**, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने राज्यपाल महोदय का औपचारिक स्वागत किया। अपने स्वागत संबोधन में डॉ पंचारिया ने संस्थान की प्रमुख शोध गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी।

आयोजन की रूप रेखा से अवगत कराते हुए
डॉ मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती – राजस्थान

विशिष्ट अतिथि **डॉ. मेघेन्द्र शर्मा**, सचिव, विज्ञान भारती-राजस्थान ने आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्यों से अवगत कराया। यह कार्यक्रम विज्ञान भारती-राजस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया।

"विज्ञान की जीवन धारा" मूर्ति का अनावरण करते हुए
माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी

"विज्ञान की जीवन धारा" मूर्ति का अनावरण

मुख्य समारोह से पूर्व राज्यपाल महोदय द्वारा "विज्ञान की जीवन धारा" मूर्ति का अनावरण किया गया। यह मूर्ति विज्ञान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचारों द्वारा आम जनमानस को लाभान्वित करने का प्रतीक है। इसके साथ ही राज्यपाल महोदय ने संस्थान की **इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान दीर्घा** और **सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला** का भी अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान की शोध गतिविधियों के लिए डॉ पंचारिया की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने विज्ञान दीर्घा में **आगंतुक पंजिका** में भी अपने विचार दर्ज किए।

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान दीर्घा के अवलोकन के उपरांत आगंतुक-पंजिका में अपने विचार दर्ज करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय

सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला का अवलोकन करते हुए राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी

राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए अधिकारीगण

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

मुख्य समारोह के दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित "अफ़ोर्डेबल पीसीआर" (Affordable PCR) प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण मेसर्स क्राफ्टज़ाइम्स बायोटेक प्रा. लि., कोयंबटूर, तमिलनाडु को किया गया। कंपनी के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. श्रीधरन. जे. एवं सीएसआईआर-सीरी के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ मनीष मैथ्यु, प्रमुख, टीबीडी ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी द्वारा विकसित इस अत्याधुनिक तकनीक से स्वास्थ्य परीक्षण और आणविक जांच को अधिक सुलभ और किफायती बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर प्रौद्योगिकी विकासकर्ता श्री नवजोत कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी को संस्थान की ओर से सम्मानस्वरूप शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ पी सी पंचारिया

अतिथि सम्मान

समारोह के अंत में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे को संस्थान की ओर से **शॉल एवं स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया। डॉ पंचारिया ने विशिष्ट अतिथि डॉ मेघेन्द्र शर्मा को भी शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट किया।

पौधारोपण करते हुए माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी

राज्यपाल महोदय ने स्मृति स्वरूप संस्थान प्रांगण में **पौधारोपण** भी किया। सभागार में आयोजित समारोह का संचालन **डॉ विषांत**, प्रधान वैज्ञानिक ने किया।

इस अवसर पर **प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी** का भी आयोजन किया गया, जिसमें सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया, जो उद्योग और समाज दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

'ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025' में औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया और भारत के ईएसडीएम क्षेत्र के विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। एक-दिवसीय ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ।

कार्यक्रम की मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर — शेखावाटी भास्कर — झुंझुनूं जिला, गुरुवार, 20 फरवरी, 2025

कौशल विकास में सीरी जैसे शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण: बागड़े

सीरी पिलानी में ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 के समापन पर मुख्य अतिथि थे राज्यपाल बागड़े

भास्कर न्यूज़ | पिलानी

सीएसआईआर सीरी पिलानी में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) स्किल कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन बुधवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए लाभ बताए। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता उनके कौशल को निखारने की है। इस काम में हमारे विश्वविद्यालय और सीरी जैसे शोध संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने भारतीय वैदिक साहित्य और सनातन संस्कृति की महत्ता बताते हुए कहा कि हमारे वेद और साहित्य हमारे प्राचीन विज्ञान के उन्नत होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीरी पिलानी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने स्वागत के बाद संस्थान की शोध गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। विज्ञान भारती राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेंद्र शर्मा ने आयोजन के उद्देश्य बताए।

पिलानी. सीएसआईआर-सीरी पिलानी में अफोर्डेबल पीसीआर तकनीक हस्तानांतरण करते राज्यपाल व निदेशक।

स्वास्थ्य परीक्षण व आणविक जांचों को अधिक सुलभ और किफायती बनाएगी नई तकनीक

यह कार्यक्रम विज्ञान भारती राजस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया था। ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव-2025 में औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने शिरकत करते हुए भारत के ईएसडीएम क्षेत्र के विकास की संभावनाओं पर विचार विमर्श किया। कार्यक्रम में कलेक्टर रामावतार मीणा, एसपी शरद चौधरी, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. आरपी पारीक, जगदीश प्रसाद सोनी सहित वैज्ञानिक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अफोर्डेबल पीसीआर तकनीक का किया हस्तांतरण : ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव-2025 कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अफोर्डेबल पीसीआर तकनीक का हस्तांतरण क्राफ्ट जाइम्स बायोटेक प्रलि कोयंबटूर (तमिलनाडु) के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. श्रीधरन जे. को किया गया। सीरी पिलानी द्वारा विकसित इस तकनीक के प्रयोग से स्वास्थ्य परीक्षण और आणविक जांच को अधिक सुलभ और किफायती बनाया जा सकेगा।

राज्यपाल ने जीवन धारा मूर्ति का किया अनावरण

ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव के मुख्य समारोह से पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विज्ञान की जीवन धारा मूर्ति का अनावरण किया गया। यह मूर्ति विज्ञान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचारों द्वारा आम जनमानस को लाभान्वित करने का प्रतीक है। उन्होंने संस्थान की इलेक्ट्रॉनिक साइंस गैलरी और सेमिकंडक्टर प्रयोगशाला भी देखी।

राजस्थान पत्रिका — झुंझुनूं पत्रिका

पिलानी के सीरी में स्किल कॉन्क्लेव

डिग्री के साथ-साथ हुनर को भी निखारने की दिशा में करें प्रयास -राज्यपाल बागडे

पिलानी@पत्रिका. आज के युवा डिग्री के आधार पर नौकरी की तलाश कर रहे हैं, जबकि वर्तमान समय में कौशल प्राप्त व्यक्तियों की मांग अधिक है। युवाओं को चाहिए कि वे अपनी डिग्री के साथ-साथ अपने हुनर को भी निखारने की दिशा में प्रयास करें। भारत में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, और भारतीय कौशल वाले युवा विदेशों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। इसका उदाहरण अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और उद्योगपति एलन मस्क द्वारा भारत से कुशल युवाओं की आवश्यकता जताना है। यह कहना है राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का। राज्यपाल बागडे बुधवार को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में आयोजित ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि भारत के प्राचीन ग्रंथों में अथाह ज्ञान है। दुर्भाग्यवश, हमने साहित्य में समाहित इस ज्ञान को समय रहते पेटेंट नहीं कराया। देश पर हुए आक्रमणों में हमारी संस्कृति और साहित्य को भी नुकसान पहुंचाया गया। आक्रमणकारियों ने हमारे ग्रंथों को अपने साथ ले जाकर उनके आधार पर पेटेंट करवा लिए। राज्यपाल बागडे ने कहा कि न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत 1500 के आस-पास अस्तित्व में आया। जबकि हमारे प्राचीन साहित्य में 11 शताब्दी में इसका उल्लेख मिलता है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में विशेष प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए युवाओं में डिग्री के साथ कौशल को भी विकसित करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए विज्ञान भारती जयपुर के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा ने इलेक्ट्रोनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) स्किल कॉनक्लेव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले सीरी निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन पर चर्चा की। कार्यक्रम में सीरी संस्थान की ओर से राज्यपाल को साफा पहना कर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में सीरी के पूर्व निदेशक एवं बिट्स प्रो. डॉ. चन्द्रशेखर, डॉ. आरपी पारीक, जगदीश प्रसाद सोनी सहित ख्यातनाम संस्थाओं से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीक का हस्तांतरण भी किया गया। इससे पहले राज्यपाल ने संस्थान में पौध रोपण किया तथा विज्ञान धारा प्रतिमा का लोकार्पण किया। सीरी निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने उन्हें सीरी संस्थान द्वारा समय समय पर विकसित की गई तकनीकों की जानकारी दी। राज्यपाल अपने निर्धारित समय पर हेलीपैड से जयपुर के लिए रवाना हो गए। आयोजन में जिला कलक्टर रामवतार मीणा एवं जिला पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी भी मौजूद रहे।

पिलानी. सीरी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते राज्यपाल तथा अन्य।

दैनिक मृदुल पत्रिका — टोंक/जयपुर/पिलानी — गुरुवार, 20 फरवरी, 2025 — 2 जयपुर

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 का सफल आयोजन

कौशल विकास में सीरी जैसे शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्णः राज्यपाल

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) स्किल कॉन्क्लेव 2025 का भव्य आयोजन सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मुख्य अतिथि रहे और सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए उसके लाभों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस आवश्यकता उनके कौशल को निखारने की है जिसमें हमारे विश्वविद्यालय और सीरी जैसे शोध संस्थान अपनी भूमिका निभा सकते हैं। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय वेदों और भारतीय साहित्य के महत्व को भी रेखांकित किया। वैदिक साहित्य और सनातन संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे वेद और भारतीय साहित्य हमारे प्राचीन विज्ञान के उन्नत होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं।

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ पंचारिया ने अपने स्वागत संबोधन में संस्थान की शोध गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती-राजस्थान ने आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी।यह कार्यक्रम विज्ञान भारती-राजस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया।

मुख्य समारोह से पूर्व राज्यपाल द्वारा विज्ञान की जीवन धारा मूर्ति का अनावरण किया गया। यह मूर्ति विज्ञान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचारों द्वारा आम जनमानस को लाभान्वित करने का प्रतीक है। इसके साथ ही राज्यपाल ने संस्थान की इलेक्ट्रॉनिक साइंस गैलरी और सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया, जो उद्योग और समाज दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में, एफोर्डेबल पीसीआर तकनीक का सफलतापूर्वक हस्तांतरण डॉ. श्रीधरन. जे, संस्थापक एवं निदेशक, क्राफ्टज़ाइम्स बायोटेक प्रा. लि., कोयंबटूर, तमिलनाडु को किया गया। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी द्वारा विकसित इस अत्याधुनिक तकनीक से स्वास्थ्य परीक्षण और आणविक जांच को अधिक सुलभ और किफायती बनाया जा सकेगा।

ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 में औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया और भारत के ईएसडीएम क्षेत्र के विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रामावतार मीणा, एसपी शरद चौधरी समेत वैज्ञानिक एवं गणमान्य जन मौजूद रहे।